# इण्टरमीडिएट परीक्षा, 2015
## सामान्य हिन्दी–प्रथम प्रश्न-पत्र

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] 304 (DC) [पूर्णांक : 50

1. (क) 'चिन्तामणि' गद्य-विधा की दृष्टि से है—
(i) कहानी-संग्रह (ii) उपन्यास
(iii) निबन्ध-संग्रह (iv) आलोचना-कृति। 1
(ख) 'पवित्रता' निबन्ध के लेखक हैं—
(i) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी (ii) सरदार पूर्णसिंह
(iii) हरिशंकर परसाई (iv) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल। 1
(ग) देवबन्ध (सहारपुर) जन्म-स्थान है—
(i) मोहन राकेश का (ii) श्यामसुन्दर दास का
(iii) डॉ० सम्पूर्णानन्द का (iv) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' का। 1
(घ) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी का उपन्यास है—
(i) त्यागपत्र (ii) भूले-बिसरे चित्र
(iii) अनामदास का पोथा (iv) सूरज का सातवाँ घोड़ा। 1
(ङ) 'केदारनाथ पाण्डे' वास्तविक नाम है—
(i) राहुल सांकृत्यायन का (ii) 'अज्ञेय' का
(iii) विष्णु प्रभाकर का (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का। 1
2. (क) हिन्दी साहित्य के 'आदिकाल' के लिए 'बीजवपनकाल' नाम दिया है—
(i) रामचन्द्र शुक्ल ने (ii) डॉ० रामकुमार वर्मा ने
(iii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी ने (iv) डॉ० मोहन अवस्थी ने। 1
(ख) 'खालिकबारी' के रचयिता हैं—
(i) कुशल लाभ (ii) भट्ट केदार
(iii) मलिक मुहम्मद जायसी (iv) अमीर खुसरो। 1
(ग) भवानीप्रसाद मिश्र कवि-रूप में संगृहीत हैं—
(i) तारसप्तक में (ii) दूसरा सप्तक में
(iii) तीसरा सप्तक में (iv) चौथा सप्तक में। 1
(घ) 'अष्टछाप' के कवियों का सम्बन्ध है, भक्तिकाल की—
(i) ज्ञानाश्रयी शाखा से (ii) प्रेमाश्रयी शाखा से
(iii) कृष्णभक्ति शाखा से (iv) रामभक्ति शाखा से। 1
(ङ) 'कितनी नावों में कितनी बार' काव्यकृति है—
(i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' की
(ii) हरिवंशराय बच्चन की
(iii) गिरिजाकुमार माथुर की (iv) सुमित्रानन्दन पन्त की। 1

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— 2+5=7

(i) भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनन्त काल से है। उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्त्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरित होंगे उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी। यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है। जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़ें पृथिवी में जितनी गहरी होंगी उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा। इसलिए पृथिवी के भौतिक स्वरूप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुन्दरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है।

(ii) भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरुह है। यदि भाषा में विकासशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही। दैनन्दिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते है, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिए गए हैं। वैसे ही नए शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है। ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिए गए शब्द, भले ही कामचलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं। यदि ग्रहण करना पड़े तो उन्हें भाषा की मूल प्रकृति के अनुरूप साहित्यिक शुद्धता प्रदान करनी पड़ती है। यहाँ प्रयत्न की आवश्यकता प्रतीत होती है।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— 1+2=3

(i) दरिद्र कुटुम्बी इस तरह अपनी इज्जत को बचाता फिरता है जैसे लाजवती बहू फटे कपड़ों में अपने ढंग को छिपाए जाती है।

(ii) पवित्र अपवित्रता उतनी ही बलवती होती है, जितनी कि पवित्र पवित्रता।

(iii) आत्मसाक्षात्कार का मुख्य साधन योगाभ्यास है।

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— 2+5=7

(i) संतौ भाई आई ज्ञान की आँधी रे।
भ्रम की टाटी सबै उड़ाणीं, माया रहै न बाँधी रे॥
दुचिते की दोई थुनी गिरानीं, मोह बलींडा टूटा।
त्रिस्नां छानि परी घर ऊपरि, कुबधि का भाँडा फूटा॥
जो जुगति करि संतौ बाँधी, निरचू चुवै न पाँणी।
कूड़ कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँणी॥

(ii) भेजे मनभावन के ऊधव के आवन की सुधि ब्रज-गाँवनि मैं पावन जबै लगीं।
सुधि ब्रज-गाँवनि मैं पावन जबै लगीं।
कहै 'रतनाकर' गुवालिनि की झौंरि-झौंरि-
दौरि-दौरि नंद-पौरी आवन तबै लगीं।
उझकि-उझकि पद-कंजनि के पंजनि पै
पेखि-पेखि पाती छाती छोहनि छबै लगीं।
हमकौं लिख्यौ है कहा, हमकौं लिख्यौ है कहा,
हमकौं लिख्यौ है कहा कहन सबै लगीं॥

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 1+2=3

(i) परम गंग को छाँड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै।
(ii) कर्म का भोग, भोग का कर्म, यही जड़ का चेतन आनन्द।
(iii) चाहिए नए को नया कुछ और जग विस्तीर्ण।

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए : 3+1 = 4

(i) सरदार पूर्ण सिंह, (ii) रामवृक्ष बेनीपुरी, (iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय एवं उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : 2+2 = 4

(i) गोस्वामी तुलसीदास (ii) कविवर बिहारी
(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'।

7. (क) 'आकाशदीप' **अथवा** 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए। 4
***अथवा*** 'बलिदान' **अथवा** 'लाटी' कहानी का उद्देश्य लिखिए।

(ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 4

(i) 'राजमुकुट' नाटक के पहले अंक की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।
***अथवा*** 'राजमुकुट' नाटक के आधार पर मुगल सम्राट 'अकबर' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर 'सुनन्दा' का चरित्रांकन कीजिए।
***अथवा*** 'कुहासा और किरण' नाटक के तीसरे अंक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(iii) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर 'श्रीकृष्ण' की चारित्रिक विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए।
***अथवा*** 'सूतपुत्र' नाटक के 'प्रथम अंक' की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(iv) 'आन का मान' नाटक के आधार पर 'अजीत सिंह' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
***अथवा*** 'आन का मान' नाटक के तीसरे अंक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(v) 'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर 'काशिराज' की चारित्रिक विशेषताएँ निरूपित कीजिए।
***अथवा*** 'गरुडध्वज' नाटक के अन्तिम अंक का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

(i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।
***अथवा*** 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।
***अथवा*** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के कथानक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चित्र-चित्रण कीजिए।
***अथवा*** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप मे अपने शब्दों में लिखिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' की चारित्रिक विशेषताओं उद्घाटित कीजिए।
***अथवा*** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए।

(v) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधी जी' का चरित्रांकन कीजिए।
***अथवा*** 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' के कथानक पर प्रकाश डालिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के छठे सर्ग 'सन्देश' की कथा का उल्लेख कीजिए।
***अथवा*** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर महाराज 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए।